सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 57 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 1 अप्रैल, 2023

मूल्य ₹ 3/-

मांगना मरने के बराबर है, इसलिए किसी से भीख मत मांगो। सतगुरु कहते हैं कि मांगने से मर जाना बेहतर है, अर्थात पुरुषार्थ से स्वयं चीजों को प्राप्त करो, उसे किसी से मांगो मत।

-कबीर दास

कौन सा राज छिपाना चाहते हैं... 2 | क्या विपक्ष ला सकता है अविश्वास... 3 | बारिश ने कराया ठंड का एहसास... 7

नेता जी! धर्म के नाम पर न फैलाएं नफरत

सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी शांति-अमन रहे

» सियासत को धर्म से अलग रखना जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिर नेता जी किसकी मानेंगे, संसद चलने नहीं देंगे कोर्ट की सुनेंगे नहीं जनता की परवाह नहीं करेंगे। पिछले दो-तीन दिनों से देश के कई हिस्सों में धर्म के नाम पर उपद्रव जारी है। पर हमारे जनप्रतिनिधियों को कोई फर्क नही पड़ रहा है। जहरीली बयानबाजी जारी है। इससे नेता जी को कुछ वोट तो मिल जाएंगे पर देश का बहुत नुकसान हो जाएगा। सबसे बड़ी शर्म की बात यह है कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच को लेकर बहुत तल्ख टिप्पणियां कीं थी। पिछले आठ-दस साल से देश में नफरती भाषणों का चलन चल पड़ा जिससे देश का माहौल संवेदनशील हो गया है।

ज्ञात हो कोर्ट ने कहा कि जबतक धर्म और राजनीति अलग-अलग नहीं होंगे, हेट स्पीच से छुटकारा नहीं मिलेगा। हेट स्पीच को लेकर राज्य निष्क्रिय और नपुंसक हो गया है। हेट स्पीच देखा जाए तो एकदम राजनीति है। शीर्ष अदालत ने कहा कि सबसे बड़ी समस्या यह है कि जो राजनेता हैं, वे धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं। हमारे देश में धर्म और राजनीति जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि हेट स्पीच हो रहा है।

गृह मंत्री का दौरा रद्द

गृह मंत्री अमित शाह के सासाराम दौरे के मद्देनजर हालात पर काबू पाने का प्रयास तेज बताया जा रहा था। लेकिन, कार्यक्रम स्थल के आसपास धारा 144 लागू रहने और स्थिति तनावपूर्ण रहने के कारण शाह का दौरा रद्द कर दिया गया है। ताजा हालत यह है कि काटिरगंज, मुबारकगंज, चौखंडी नवरत्न बाजार में दुकानों के साथ घरों के दरवाजे भी बंद हैं। इसके बावजूद शनिवार को भी 10 मिनट के लिए पथराव की सूचना आई। इसमें किसी के घायल होने की जानकारी नहीं मिली है। लेकिन, यह घटना बता रही है कि तनाव अब भी है। पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इलाके को छावनी के रूप में बदल चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच को दुष्चक्र करार दिया

अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने हेट स्पीच को दुष्चक्र करार दिया और कहा है कि भाईचारे का विचार अधिक था लेकिन खेद यह है कि दरारें आ चुकी हैं। क्यों नहीं राज्य समाज में नफरती भाषण पर लगाम लगाने के लिए सिस्टम विकसित कर कर सकता है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि हम कहां जा रहे हैं। एक समय था कि देश में पंडित जवाहर लाल नेहरू और अटल बिहारी बाजपेयी जैसे वक्ता थे। जिनका भाषण सुनने के लिए लोग आधी रात को दूर दराज गांव से आते थे। अब असामाजिक तत्व बयानबाजी करते हैं। हर सिटिजन को संयम रखना चाहिए।

अपराधियों का कोई धर्म नहीं होता : ममता

ममता बनर्जी ने कहा,हमने किसी शोभा यात्रा या रामनवमी यात्रा पर रोक नहीं लगाई। पहले बीजेपी वाले प्रॉब्लम क्रिएट करते हैं, फिर आरोप लगाते हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं है। अपराधियों का कोई धर्म नहीं होता। इस मामले में हिंसा फैलाने वालो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हावड़ा हिंसा में 41 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिन्होंने हिंसा भड़काई वह लोग हिंदू नहीं थे, उन्हें बाहर से लाया गया था। बीजेपी ने सुनियोजित तरीके से सोची-समझी साजिश के तहत हिंसा फैलाई। बीजेपी बंगाल को अशांत करना चाहती है। अल्पसंख्यक समुदाय के लोग हिंसा में शामिल नहीं हैं, क्योंकि वह रमजान में व्यस्त थे। बंगाल में अशांति का मतलब देश में अशांति है। बीजेपी के खिलाफ विपक्ष एकजुट होकर लड़े। विपक्षी दलों से अनुरोध है कि साथ आएं और बीजेपी से लड़ें।

किसी भी उपद्रवी को छोड़ा नहीं जाएगा : नीतीश

पटना। बिहार के कई जिलों में रामनवमी जुलूस के दौरान हिंसा भड़क उठी। तनावपूर्ण माहौल के बीच भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। नालंदा और रोहतास में सबसे अधिक बवाल हुआ। उधर सीएम नीतीश कुमार ने कहा है की उपद्रवियों को छोड़ा नही जाएगा। वहीं दोनों जगहों पर दो-दो प्राथमिकी दर्ज कर असामाजिक तत्वों को चिन्हित करते हुए क्रमशः 27 और 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिसकर्मी, महिला समेत दर्जनों लोग घायल हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशान ने धारा-144 लगा दी है। वरीय पदाधिकारी घटना स्थल पर कैम्प कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर निगरानी रखी जा रही है।

पटियाला जेल से बाहर आए नवजोत सिद्धू

» सड़क पर भीड़ ने किया जोरदार स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। अच्छे व्यवहार के चलते समय से पहले पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू को पटियाला की सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। बाहर आने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। 59 वर्षीय कांग्रेस नेता सिद्धू 1988 के रोड रेज के मामले में एक साल की सजा काट रहे हैं। पिछले साल 20 मई को सुप्रीम कोर्ट के एक साल सश्रम कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद सिद्धू ने पटियाला की एक अदालत के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था।

उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि अपर्याप्त सजा देने के लिए दिखाई गई कोई भी सहानुभूति न्याय प्रणाली को और अधिक नुकसान पहुंचाएगी और इससे कानून के प्रभाव के प्रति जनता के भरोसे पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। इस घटना में 65 साल के एक बुजुर्ग व्यक्ति गुरनाम सिंह की मौत हो गई थी। पंजाब जेल नियमावली के मुताबिक अच्छे चालचलन वाला दोषी छूट पाने का हकदार है। इससे पहले रिहाई की कागजी कार्रवाई पूरी हो चुकी है। जेल में बंद नवजोत सिद्धू से शुक्रवार को पंजाब कांग्रेस के चार पूर्व प्रधानों ने करीब पौने घंटे तक मुलाकात की। इनमें लाल सिंह, मोहिंदर सिंह केपी, शमशेर सिंह दूलों व प्रताप सिंह बाजवा शामिल रहे। बाजवा वर्तमान में विरोधी दल के नेता भी हैं। सिद्धू परिवार के बेहद करीबी जिला कांग्रेस कमेटी पटियाला शहरी के पूर्व प्रधान नरिंदर पाल लाली ने कहा कि सिद्धू के स्वागत के लिए लड्डुओं का ऑर्डर कर दिया गया है। सिद्धू को जुलूस की शक्ल में शहर के विभिन्न बाजारों से होते हुए पटियाला के यादविंदरा एनक्लेव स्थित उनकी कोठी तक लाया गया।

सबक सिखाने के लिए भगवान से मौत मांगी थी : कौर

वहीं कैंसर से जूझ रहीं उनकी पत्नी नवजोत कौर ने सिद्धू की जेल से रिहाई से पहले एक भावनात्मक ट्वीट साझा किया है। उन्होंने लिखा, सिद्धू को सबक सिखाने के लिए भगवान से मौत मांगी थी। पंजाब के लिए उनके पति के प्यार ने उन्हें किसी भी लगाव के दायरे से बाहर कर दिया था।

कानून व्यवस्था पर सरकार का रवैया कामचलाऊ : अखिलेश

» कार्यवाहक डीजीपी बनाए जाने पर सपा अध्यक्ष ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कार्यवाहक डीजीपी बनाए जाने पर योगी सरकार पर तीखे वार किए हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर तंज कसते हुए अपने ट्वीट में लिखा, उप्र पुलिस को मिला फिर से एक नया 'कार्यवाहक डीजीपी'।

जब क़ानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार का रवैया काम-चलाऊ होगा तो कार्यवाहक अधिकारी से ही काम चलाया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि जब कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार का रवैया काम-चलाऊ होगा तो कार्यवाहक अधिकारी से ही काम चलाया जाएगा। आज अपराधियों की तरफ से लड्डू बंटेंगे क्योंकि उप्र शासन-प्रशासन की ढिलाई की वजह से ये समय अपराधियों के लिए अमृत-काल जो है।

सरकार व्यापारियों को दे मुआवजा

अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कानपुर आग पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि कपड़ा मंडी में लगी आग पहले से ही नोटबंदी, जीएसअी के छापों और मंदी की मार झेल रहे व्यापारियोंके लिए आर्थिक व मानसिक रूप से एक और गहरी मार है। उप्र भाजपा सरकार व्यापारियों को हुई हानि का तत्काल आकलन कर सच्चे मुआवजे की तुरंत घोषणा करे। साथ ही दमकल की क्षमता का भी आकलन होना चाहिए।

कांशीराम की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

प्रदेश में अपनी बढ़त बनाने में जुटी सपा अब मायावती के गुरू व बड़े दलित नेता दिवंगत कांशीराम के सहारे नए सामाजिक समीकरण बनाएगी। इसी के तहत सपा मुखिया अखिलेश यादव आगामी 3 अप्रैल को रायबरेली के दीनशाह गौरा के कांशीराम महाविद्यालय में उनकी मुर्ति को अनावरण करेंगे। इस कार्यक्रम को स्वामी प्रसाद मौर्या आयोजित करवा रहे है। इस कार्यक्रम के बाद वह एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

राज्य सरकार एनआरसी लागू नहीं कर सकती : बिरेन सिंह

» मणिपुर में एनआरसी लागू करने की मांग, लोग सड़कों पर उतरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

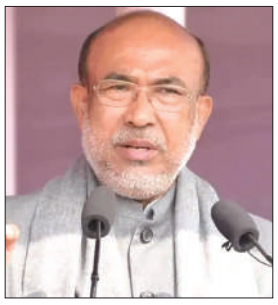

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन्स (एनआरसी) लागू करने के लिए तैयार है लेकिन इसके लिए केंद्र सरकार की मंजूरी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अकेले एनआरसी लागू नहीं कर सकती। इसके लिए केंद्र को मंजूरी देनी होगी।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मणिपुर स्टेट पॉपुलेशन कमीशन का गठन कर दिया है और इसके सदस्यों की भी नियुक्ति कर दी गई है। इसके द्वारा राज्य में प्रवासियों की पहचान की जाएगी। जो अवैध प्रवासी यहां रह रहे हैं, उनकी पहचान के लिए जल्द घर-घर सर्वे का काम शुरू हो जाएगा। बता दें कि मणिपुर के मुख्यमंत्री का एनआरसी को लेकर यह बयान ऐसे समय आया है, जब बीती 29 मार्च को हजारों की संख्या में महिलाों ने राज्य में एनआरसी लागू करने की मांग को लेकर रैली निकाली। ये रैली तीन इमा कैथेल (पूरी तरह से महिलाओं द्वारा संचालित बाजार) की सदस्यों ने निकाली। इन महिलाओं में छात्र संगठनों की भी सदस्य शामिल रहीं। यह रैली खावैरामबंद कैथेल से लेकर मुख्यमंत्री सचिवालय तक निकाली गई।

बिश्नोई गैंग ने दी राउत को धमकी

कहा- सिद्धू मूसेवाला जैसा होगा अंजाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत को धमकी मिली है। महाराष्ट्र पुलिस ने बताया कि राउत को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से एक धमकी भरा संदेश मिला है, जिसमें पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की तरह उनकी हत्या करने की बात कही गई है।

संजय राउत ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस मामले में जांच कर रही है। राज्यसभा सांसद संजय राउत को शुक्रवार देर रात उनके मोबाइल पर एक व्हाट्सएप संदेश मिला है, जिसमें उन्हें धमकी दी गई है। संदेश में चेतावनी दी गई है कि जब भी संजय राउत नई दिल्ली में दिखेंगे, उन्हें एके-47 राइफल से गोली मार दी जाएगी। वहीं राज्यसभा सांसद ने धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस कमिश्नर को इस बात की जानकारी दी है। इससे पहले उन्होंने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर अपनी जान को खतरा बताया था। शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) के नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने कहा कि राज्य सरकार ने राज्यसभा सांसद संजय राउत की सुरक्षा को हटा दिया है। गौरतलब है कि सलमान खान को हाल ही में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी जान से मारने की धमकी मिली थी।

मैं नहीं डरुंगा- संजय राउत

वहीं, उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह मेरे साथ पहली बार नहीं हुआ है। इस सरकार के आने के बाद हमारी सुरक्षा घटाई गई, लेकिन हमने इसके बारे में ज्यादा नहीं बोला है। मुख्यमंत्री का बेटा एक गुंडे के साथ मुझ पर हमला करने की साजिश करता है, इसको लेकर मैं पत्र लिखता हूं तो कहा जाता है कि यह एक स्टंट है। अगर हम सच बोलने पर आ गए तो भूकंप आ जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं नहीं डरुंगा।

कौन सा राज छिपाना चाहते हैं मोदी: प्रमोद

» इतिहास में पहली बार देखा सत्ता पक्ष कर रहा हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रमोद तिवारी ने कहा कि 44 साल के अपने राजनीतिक कॅरियर में मैं पहली बार देख रहा हूं कि सत्तापक्ष सदन नहीं चलने दे रहा है। आखिर ऐसा कौन सा राज है, जिसे वे छुपाना चाहते हैं? ऐसा इतिहास में पहली बार हुआ है कि जिस मामले में राहुल गांधी को सजा हुई है, उसमें किसी को भी दो साल की सजा नहीं हुई। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद व उप नेता प्रमोद तिवारी ने अदाणी मामले में एक बार फिर केंद्र सरकार को घेरा है।

उन्होंने कहा है कि अदाणी को बचाने के लिए पीएम मोदी लोकतंत्र का गला घोट रहे हैं। अदाणी की शेल कंपनियों में 20 हजार करोड़ रुपये है। यह कालाधन किसका है, ये शेल कंपनियां किसकी हैं, यह कंपनियां रक्षा क्षेत्र में काम कर रही हैं तो कोई क्यों नहीं जानता। कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रमोद तिवारी ने यह भी आरोप लगाया कि इसमें एक चीनी नागरिक भी शामिल है, वह कौन है? उन्होंने कहा कि अदाणी की लूट, भ्रष्टाचार के मुद्दे को संसद के अंदर उठाने नहीं दिया जाता। सदन की कार्यवाई से भाषण निकाल दिया जाता है। बाहर बोलने पर राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त कर दी जाती है। 24 घंटे के अंदर ही उन्हें बंगला खाली करने का नोटिस जारी कर दिया जाता है। किंतु इससे न तो राहुल न ही कांग्रेस डरने वाली है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार से देश को बचाने की जंग जारी रहेगी।

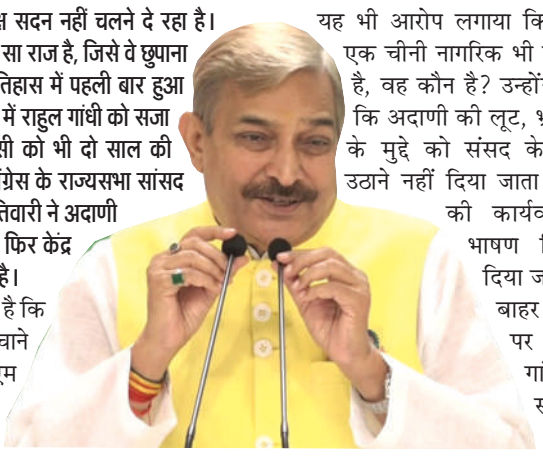

सरकार बनी तो महिलाओं को देंगे 1500 रुपए : कमलनाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस समेत अन्य दलों ने तैयारी तेज कर दी है। इसी के तहत कांग्रेस ने वचन पत्र समिति की बैठक की। पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में विधानसभा चुनाव 2023 के लिए वचन पत्र निर्माण पर पदाधिकारियों से राय ली गई। इसमें महिलाओं को बिना शर्त प्रतिमाह 1500 रुपए देने के साथ ही 500 रुपए में सिलेंडर देना तय किया गया। इसके अलावा पिछले चुनाव के वचन पत्र के सत्ता तक पहुंचाने वाले वादे किसानों की ऋण माफी, 100 रुपए में बिजली, बेरोजगारी भत्ता, रोजगार के लिए प्रशिक्षण जैसे मुद्दे भी शामिल किए जाएंगे। जिनको सरकार जाने के कारण कांग्रेस पूरा नहीं कर पाई।

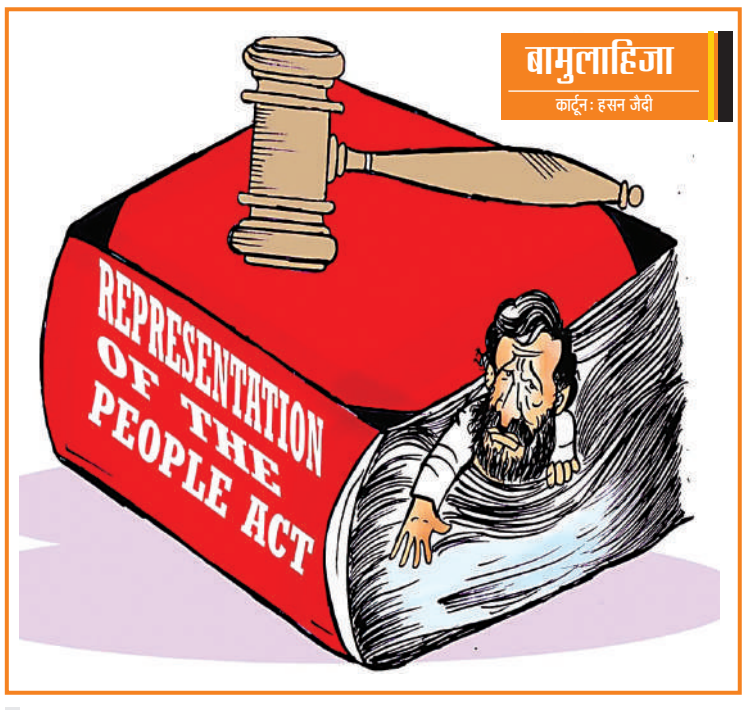

भाजपा विधायक गोपालकृष्ण ने दिया इस्तीफा

» कांग्रेस में होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिरसी। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कुदलिगी से भाजपा विधायक एन वाई गोपालकृष्ण ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया और उनके कांग्रेस में शामिल होने की संभावना है। गोपालकृष्ण पहले कांग्रेस के साथ थे और चार बार (1997, 1999, 2004 और 2008) चित्रदुर्ग जिले के मोलाकलमुरु विधानसभा क्षेत्र से चुने गए थे।

2018 में कांग्रेस का टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने चुनाव से पहले भाजपा का दामन थाम लिया था। पार्टी ने उन्हें मोलाकालमुरु के बजाय विजयनगर जिले के कुदलिगी से टिकट दिया, क्योंकि वहां से वरिष्ठ नेता श्रीरामुलु को मैदान में उतारा गया था। वे चुनाव जीतने में सफल रहे। गोपालकृष्ण ने स्पीकर विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी से उनके कार्यालय में मुलाकात की और इस्तीफा सौंपा। रिपोर्टों के अनुसार, उन्होंने हाल ही में राज्य के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं डी के शिवकुमार और सिद्धारमैया से मुलाकात की थी और चर्चा की थी।

क्या विपक्ष ला सकता है अविश्वास प्रस्ताव!

आसान नहीं, संसद को सही तरीके से चलाना जरूरी

» स्पीकर से नाराज हैं कांग्रेस

» भाजपा व मोदी को भी घेरने की योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण लगता है हंगामें की भेंट चढ़ जाएगा। अगले हफ्ते 3 अप्रैल को संसद की कार्यवाही शुरू होगी। हालांकि जैसे सियासी माहौल चल रहा उसमें लगता नहीं है कि सत्र सूचारु रुप से चलेगा। हालांकि कांग्रेसी खेमे से ऐसी खबरें आ रही हैं कि अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर वह लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास ला सकती है। ज्ञात हो कि राहुल ने अपनी सदस्यता जाने के बाद कहा था कि लोक सभा अध्यक्ष से जब उन्होंने कहा कि वह अडानी मामले में जेपीसी बनाए और उन्हें ससंद में बोलने दे तो उन्होंने कहा ऐस नहीं हो सकता है। उसी समय लग गया था कि कांग्रेस लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ आक्रामक होन के मूड मे हैं।

हालांकि अविश्वास प्रस्ताव लाना इतना आसान नही होगा इसके लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर होने जरूरी है। सबसे बड़ी ससंद का गतिविरोध खत्म होना जरूरी है। पर सत्ता पक्ष के हठ व विपक्ष के तेवर ऐसा होता दिख नही रहा है। प्रधानमंत्री के सरनेम वाली टिप्पणी के लिए मानहानि के मामले में सूरत की एक अदालत द्वारा राहुल गांधी को दोषी ठहराये जाने के कुछ ही घंटों के भीतर, उन्हें सांसद के रूप में अयोग्य घोषित किया गया था। सूत्रों ने कहा कि राहुल मामले में तेजी से उठाए गए कदमों को लेकर अविश्वास प्रस्ताव में उल्लेख किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव तभी लाया जा सकता है जब सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चल रही हो।13 मार्च को बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत के बाद से ही लोकसभा में हंगामा हो रहा है। विपक्षी दल अडानी मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग कर रहे हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राहुल गांधी की विदेश में की गई टिप्पणी पर माफी मांगने पर जोर दे रही है।

भाजपा भी पूरे आक्रामकता में

संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा के राहुल गांधी ने ओबीसी समाज का जो अपमान किया उसपर अगर कोर्ट ने फैसला किया तो वे कहते हैं कि कोर्ट ही गलत हैं। उन्हें लगता है कि एक परिवार में पैदा हो गए तो इस देश पर राज करना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है। वे खुद को संसद और कोर्ट से ऊपर मानते हैं। राहुल गांधी को लगता है कि अगर संविधान में सदस्यता रद्द करने का प्रावधान है तो उनपर लागू नहीं होना चाहिए क्योंकि देश पर राज करना उनका अधिकार है। और बाबा साहेब अंबेडकर ने संविधान के तहत जितने लोकतांत्रिक संस्थान बनाए हैं वे सब उनसे नीचे हैं। कांग्रेस के कुछ सांसदों ने प्रश्नकाल में कागज फाड़कर आसन की ओर फेंके और एक सदस्य ने आसन के सामने काला कपड़ा रखने की भी कोशिश की। एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे सदन की बैठक शुरू हुई तो पीठासीन सभापति रमा देवी ने जरूरी दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इस दौरान कांग्रेस सदस्य आसन के पास आकर नारेबाजी की। शोर-शराबा नहीं थमने पर पीठासीन सभापति ने कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

बजट सत्र का दूसरा चरण हंगामेदार रहा

संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार टकराव जारी है। अडानी मुद्दे पर विपक्ष जेपीसी जांच की मांग को लेकर अपने रुख पर अड़ा है। राहुल गांधी की सदस्यता रद्द किए जाने के बाद कांग्रेस के तेवर और तीखे हो गए हैं। रोज विपक्षी सांसद जेपीसी की मांग और राहुल गांधी की अयोग्यता के खिलाफ नोटिस देते हैं। कांग्रेस पार्टी ने अपने कार्यालय में संसद भवन में लोकसभा और राज्यसभा के अपने सांसदों की बैठक बुलाई है। तृणमूल कांग्रेस के सदस्य भी लोकतंत्र बचाने को लेकर प्रदर्शन करेंगे। हंगामे के चलते लोकसभा और राज्यसभा, दोनों ही सदन नहीं चल पा रहे हैं। बाहर निकलकर दिनभर बयानबाजी का दौर चलता है। विपक्षी सदस्यों ने लोकसभा में पीठासीन अधिकारी रमा देवी का घेराव किया। उनके सामने तख्तियां लहराई गईं। इससे पहले सदन में हंगामे के बीच सरकार ने जरूरी विधेयक और संशोधन पारित करा लिए। इसके बाद सदन को 3 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राज्यसभा भी तब तक स्थगित है। लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक फिर शुरू हुई तो सदन के पटल पर दस्तावेज रखे गए। इस दौरान लोकसभा में विपक्षी सांसद अडानी मामले पर जेपीसी जांच की मांग के लिए नारेबाजी करते रहे। पोस्टर्स भी लहराए गए।

स्पीकर के खिलाफ अविश्वसास प्रस्ताव लाने के नियम

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्षी दल अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहे हैं। विपक्षी खेमे के सूत्रों ने कहा कि इस तरह के प्रस्ताव के लिए 50 सांसदों के हस्ताक्षर और समर्थन की आवश्यकता होती है। हालांकि आशंका इस बात की भी है कि प्रस्ताव को पेश करने की अनुमति नहीं दी जा सकती क्योंकि सदन सुचारू रूप से नहीं चल रहा है। कांग्रेस लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कथित पक्षपात को लेकर उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर विचार करने के लिए अन्य विपक्षी दलों के साथ बातचीत कर रही है। प्रस्ताव लाने का विचार पार्टी सांसदों की बैठक में रखा गया और कांग्रेस नेता अब इस पर अन्य दलों के नेताओं से बात कर रहे हैं। इस प्रस्ताव को सोमवार को लोकसभा में लाये जाने की संभावना है, लेकिन कुछ दलों ने यह कहते हुए इस कदम का विरोध किया है कि इससे विपक्षी एकता को नुकसान पहुंच सकता है। इससे पहले अगस्त 1963 में नेहरू सरकार के खिलाफ आचार्य कृपलानी द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। उन्होंने कहा कि नरसिंह राव नीत सरकार और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था।

कांग्रेस ने लगाए ये आरोप

कांग्रेस का आरोप है कि राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई इसलिए की गई है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार अडानी मुद्दे पर संसद में उनके अगले भाषण से डर गई थी। वहीं बीजेपी ने कहा कि लोकसभा सचिवालय की ओर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अयोग्य ठहराने का फैसला नियमानुसार है और फैसले पर सवाल उठाना संविधान को निशाना बनाने जैसा है।

18 विपक्षी दलों ने की थी बैठक

इसके अलावा विपक्षी दल बजट सत्र की शुरुआत से ही अडानी समूह से जुड़े मामले में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग करे रहे हैं। बीते दिन कांग्रेस समेत देश के 18 विपक्षी दलों ने बैठक कर फैसला लिया था कि सभी दल लोकतंत्र को बचाने के लिए आगे भी मिलकर काम करते रहेंगे और अडानी मामले में जेपीसी की मांग जारी रखेंगे।

संसद व्यवधान से त्रस्त है उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संसद व्यवधान से त्रस्त है। संसद में अव्यवस्था सामान्य व्यवस्था बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि गतिशील लोकतंत्र में ऐसा कभी नहीं होगा जब कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच कोई मतभेद न हो। इन्हें आपसी सहयोग से हल करने की आवश्यकता है। बता दें कि 13 मार्च को बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत के बाद से लोकसभा में लगातार व्यवधान देखा जा रहा है। विपक्षी सदस्य अदाणी मुद्दे की संयुक्त संसदीय

समिति (जेपीसी) से जांच की मांग कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने आगाह किया, लोगों को देश के भीतर और बाहर काम करने वाली वैश्विक मशीनरी द्वारा भारत की अखंडता के खिलाफ सुनियोजित छद्म युद्ध के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। भारत के विकास को बाधित करने, लोकतांत्रिक संस्थानों को बदनाम करने के लिए भीतर और बाहर कपटी ताकतें काम कर रही हैं। इससे पहले सदस्यों की जेपीसी की मांग और हंगामे के दौरान राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, 'कुछ भी मुमकिन हो सकता है, कुछ भी हवा निकल सकती है। आप कुर्सी पर बैठिए और मेरे निर्णय का इंतजार कीजिए।' राहुल गांधी की सदस्यता खत्म करने को लेकर कांग्रेस नाराज है, साथ ही कई विपक्षी दल स्पीकर पर पक्षपात का आरोप भी लगा रहे हैं,उनके खिलाफ विपक्षी पार्टियां अविश्वास प्रस्ताव ला सकती हैं। कांग्रेस के उच्च सूत्र के हवाले से ये जानकारी मिली है। राहुल गांधी की सदस्यता खत्म करने के और सदन में पक्षपात का आरोप लगा लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ सोमवार को अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है। दरअसल, गुजरात के सूरत की एक अदालत की ओर से 2019 के मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के एक दिन बाद शुक्रवार को राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया। चार बार सांसद रहे राहुल गांधी अयोग्यता के कारण आठ साल तक चुनाव नहीं लड़ सकते, जब तक कि कोई हाई कोर्ट सजा पर रोक नहीं लगाता। इस मामले को लेकर कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल लगातार संसद में हंगामा कर रहे हैं और संसद के बाहर भी प्रदर्शन किया जा रहा है।

जिद... सच की

एक और हादसा, कब चेतेगा प्रशासन

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

> मंगल आरती के दौरान भगदड़ मचने से दो भक्तों की मौत हो गई। मृतकों में वृंदावन का एक व्यक्ति और नोएडा की एक महिला थी। इससे कुछ दिन पहले राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर में चंद रोज पहले हुई तीन महिला श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत को देश भूला भी नहीं पाया था। इससे पहले भी कुंभ मेले से लेकर कई धार्मिक आयोजनों ऐसे हादसे हुए जिसमें जान-माल का नुकसान हुआ।

एकबार फिर हादसा हो गया। फिर लिपापोती हो जाएगी। एक जांच कमेटी बनेगी रिपोर्ट पेश की जाएगी कुछ लोगों को सजा मिलेगी और मामला खत्म। प्रशासन फिर एक बार अगले हादसे के होने की खबर का इंतजार करने लगेगा। लेकिन ये कब तक ऐसा ही चलता रहेगा। जिम्मेदारों की जिमेदरी कब तय की जाएगी ताकि इस तरह के हादसों में कमी आ सके। ज्ञात हो कि मध्यप्रदेश के इंदौर में रामनवमी पर एक बड़ा हादसा हो गया। शहर के पटेल नगर इलाके में श्री बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में बावड़ी की छत धंसने से वहां मौजूद 50 से अधिक लोग बावड़ी में गिर गए। घटना में 36 लोगों की मौत हो गई। सीएम शिवराज घायलों का हाल जानने स्थानीय एप्पल अस्पताल पहुंचे व घटना की मजिस्ट्रियल जांच होगी। गुरुवार दोपहर 12 बजे रामनवमी पर शहर के पटेल नगर में श्री बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में सुबह से हवन हो रहा था। इसके बाद मंदिर में कन्या पूजन के दौरान बावड़ी की छत धंस गई, जिससे वहां मौजूद 50 से अधिक लोग उसमें गिर गए। ये सभी बावड़ी की छत पर बैठे हुए थे। इसमें बच्चे, महिलाएं और पुरुष भी शामिल थे।

इससे पहले उत्तर प्रदेश में वृंदावन के विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में भगदड़ मचने से दो भक्तों की मौत हो गई। इससे कुछ दिन पहले राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर में चंद रोज पहले हुई तीन महिला श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत को देश भूला भी नहीं पाया था। इससे पहले भी कुंभ मेले से लेकर कई धार्मिक आयोजनों में ऐसे हादसे हुए जिसमें जान-माल का नुकसान हुआ। पर हमने उससे सबक नहीं लिया। गत वर्ष 2022 में वैष्णों देवी के दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं में कुछ लोग भीड़ के चलते मची भगदड़ में मौत का शिकार हो गए, तो वहीं बहुत से लोग इस दौरान जख्मी भी हुए। बताया जाता है किसी भी देव स्थान पर किसी भी प्रकार के हादसे का कारण अधिकतर रूप से भगदड़ ही रहा है। वैष्णो देवी धाम पर होने वाला ये हादसा कोई एकलौता हादसा नहीं है, बल्कि आज से पहले यहां कई बार ऐसे हादसे हो चुके हैं। माता वैष्णो देवी भवन के मार्ग पर अर्धकुंवारी स्थित बाजार में बड़ा धमाका हुआ था जिसके चलते भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में 5 लोगों के झुलसने का समाचार आया था। इससे पहले माता वैष्णो देवी भवन के पास कालिका कांप्लेक्स स्थित काउंटिंग रूम में शार्ट सर्किट से आग लग गई थी। भूस्खलन का हसदसा माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर हिमकोटी से पहले देवी द्वार क्षेत्र में हुआ था। हेलीकॉप्टर हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई थी। इंदौर के हादसे के बाद शासन को अब सचेत होना चाहिए कि ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सत्ता की चाबी के लिए लोटे का चीनी प्रेम

पुष्परंजन

भूटान में 2023 में संसदीय चुनाव हैं। चुनांचे, कुर्सी दोबारा पाने की चाह ने प्रधानमंत्री लोटे को चीन के करीब जाने को विवश कर रखा है। 15 सितंबर, 2018 को पिछली बार आम चुनाव हुआ था। तब आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, क्रिमिनल गैंग के सवाल ने सत्तारूढ़ पीडीपी (पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) की चूलें हिलाकर रख दी थीं। पीडीपी के भारत के प्रति निष्ठा भाव को भी लोगों ने नकार दिया था। 50 वर्षीय सर्जन लोटे शिरिंग की सेंटर-लेफ्ट पार्टी, डुक न्यामरूप त्शोगपा (डीएनटी) को संसद की 47 में 30 सीटों पर फतह हासिल हुई। इस समय लोटे शिरिंग को तिनके का सहारा के रूप में चीन दिख रहा है।

2008 में लोकतंत्र आने के बाद भूटानी जनता ने किसी एक पार्टी को दोबारा से सत्ता में आने नहीं दिया। 25 जुलाई, 2007 को स्थापित ड्रुक फुंसूम शोंगपा (डीपीटी) को साल भर बाद ही भूटान की सत्ता में आने का अवसर मिला था। 24 मार्च, 2008 के प्रथम आम चुनाव में डीपीटी को 47 में से 45 सीटें हासिल हुई थीं। अपार बहुमत वाली डीपीटी को पांच साल बाद, 2013 के चुनाव में मात्र 15 सीटें मिलीं। 2013 के दूसरे आम चुनाव में विजयी, पीडीपी (पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) को 32 सीटें मिली थीं। लेकिन पांच साल बाद पब्लिक ने 'पीडीपी' को भी नकार दिया था। प्रधानमंत्री लोटे शिरिंग पेशेवर सर्जन रहे हैं। इस बार उनकी राजनीतिक सर्जरी यदि सफल हुई, तो इतिहास रचेंगे। लोटे की पार्टी 'डुक न्यामरूप त्शोगपा' (डीएनटी) के लिए भी अग्नि परीक्षा है। 20 फरवरी, 2023 को थिंपू से प्रकाशित दैनिक 'क्वेनसेल' की रिपोर्ट थी, '2022 में भूटान में 46.7 फीसद बेरोजगारी है, जिससे सबसे अधिक प्रभावित युवा हैं।' इसका अर्थ यही निकलता है कि प्रधानमंत्री लोटे शिरिंग भी हवा-हवाई साबित हुए हैं। ग्रामीण इलाकों में सर्वाधिक तीन लाख 1 हजार 37 बेरोजगार दर्ज किये गये। शहरी बेरोजगार थे 1 लाख 83 हजार 929। थिंपू, गासा, वांगदू, पारो, सरपांग, जेमगांग में कई मौकों पर जाना हुआ था, तब विपन्नता और बेरोजगारी भयावह रूप में नहीं थी।

प्रधानमंत्री लोटे शिरिंग के लिए जो चिंता वाली बात है, वो ये कि उनकी पार्टी की सदस्यता अर्श से फर्श पर आ गई है। भूटान के निर्वाचन आयोग ने हाल में एक सूची जारी की, जिसमें पार्टियों की सदस्यता का ब्योरा है। पांच साल पहले लोटे की सेंटर-लेफ्ट पार्टी, डुक न्यामरूप त्शोगपा (डीएनटी) के 11 हजार से अधिक सदस्य रजिस्टर्ड थे, अब इनकी संख्या केवल 200 रह गई है। डुक फुंसूम शोंगपा (डीपीटी) जिसने भूटान का पहला चुनाव जीता था, उसके सदस्यों की संख्या सर्वाधिक है, 5 हजार 267। पीडीपी के सदस्य हैं, 5,143। भूटान क्वेन न्याम पार्टी के केवल 1100 रजिस्टर्ड मेंबर हैं। प्रधानमंत्री लोटे शिरिंग 'औरों को नसीहत, खुद मियां फजीहत' वाली स्थिति में हैं। ऐसे में कोई चीन से आकर उन्हें चुनाव में विजयी बना देगा, इस 'चमत्कार' की प्रतीक्षा कर लेते हैं। 47 सदस्यीय भूटानी संसद 'ग्येलयोंग त्शोग्दू' के वास्ते दो चरणों में मतदान 15 सितंबर और 18 अक्टूबर, 2018 को हुआ था। चुनाव के आखिरी दौर में सिर्फ दो पार्टियां ही मुकाबले में रह सकती हैं। सत्तारूढ़ पार्टी ड्रुक फेंन्सुम त्शोंगपा (डीपीटी) की हार और सेंटर लेफ्ट विचारधारा वाली लोटे की पार्टी डुक न्यामरूप त्शोंगपा (डीएनटी) की जीत से तब लगा था कि चीन अपना कार्ड खेलेगा। दिल्ली में जो डिप्लोमेट भूटान डेस्क देख रहे हैं, पांच साल पहले भी चीनी पैठ की ख़बर से उन पर असर नहीं पड़ा था। चीन और भूटान के बीच कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, ढ्ढिर भी नई दिल्ली स्थित चीनी राजदूत लुओ झाओ हुई 2018 में हुए आम चुनाव से पहले, 21 से 25 जनवरी, 2017 को थिंपू में थे। चीनी राजदूत की उन दिनों डीएनटी के अध्यक्ष डॉ. लोटे ढ्ढिरिंग से मुलाकात हुई थी। जनवरी से अक्टूबर, 2018 के बीच नई दिल्ली से चीनी दूतावास के डिप्लोमेट पांच बार थिंपू की यात्रा कर

चुके थे। सेंटर लेफ्ट के नेता से एंबेसडर लुओ झाओ हुई मिल रहे हैं, इस खबर पर दिल्ली में चुप्पी-सी थी। एक वाकया पहली अगस्त, 2018 को दिल्ली में ही हुआ था। उस दिन चीनी दूतावास में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की 90वीं वर्षगांठ मनाई जा रही थी, उस मौके पर भूटान के राजदूत वेत्सोप नामग्याल डिनर पर आमंत्रित थे। भूटान के 53 देशों से कूटनीतिक संबंध हैं। चीन उस सूची में नहीं है। बावजूद उसके, चीन के उप विदेश मंत्री खोंग शूएनयू एक हाई लेवल डेलीगेशन के साथ 22 जुलाई, 2018 को थिंपू पधारते हैं। भूटान में चीन लगातार अपनी कठपुतली सरकार की स्थापना के प्रयास में लगा रहा है। एक उदाहरण ड्रुक नेशनल कांग्रेस (डीएनसी) है, जिसकी स्थापना 16 जून, 1994 को काठमांडो में हुई थी।

ब्रह्मपुत्र के वेग से डिब्रूगढ़ को खतरा

स्रद्धद्गद्धस्र

गत 13 जनवरी को वाराणसी से रवाना किये गए विश्व के सबसे लम्बे रिवर क्रुज 'एमवी गंगा विलास' की यात्रा का 28 फरवरी को डिब्रूगढ़ में समापन हुआ। उन्हीं दिनों 'टी सिटी ऑफ इंडिया' कहलाने वाले असम के डिब्रूगढ़ शहर में ऐसी दहशत फैली कि कई बस्तियों के लोगों को अपना सामान लेकर भागना पड़ा। शहर को नदी के प्रकोप से बचाने के लिए बनाए गए डिब्रूगढ़ टाउन प्रोटेक्शन (डीटीपी) डाइक से महज दस मीटर दूरी तक की जमीन कट कर नदी में बह गई। डिब्रूगढ़ गुरुद्वारे के पीछे की विशाल भूमि को ब्रह्मपुत्र नदी बहा कर ले गई। गत 12 मार्च को कोयला घाट के पास अचानक एक नये स्थान पर जमीन का बड़ा टुकड़ा नदी तोड़कर ले गई। दरअसल, प्रशासन के पास रेत से भरे बोरे रखने के अलावा कोई हल नहीं है।

बता दें कि डिब्रूगढ़ शहर पहले ब्रह्मपुत्र नदी से काफी दूर डिब्रू नदी के किनारे था। साल 1950 में इस इलाके में भूकंप आया और इससे ब्रह्मपुत्र नदी की दिशा बदल गई। जमीन हिलने से नदी तट की भूमि ऊंची हुई और ब्रह्मपुत्र सीधे-सीधे डिब्रू से मिल गई। मैजान चैनल जो पूर्व में डिब्रू नदी की एक सहायक नदी थी उसका मिलन भी हो गया। नदियों के मिलन से प्रवाह में तीखापन आया और फिर पहाड़ से तेजी से बह कर आ रही ब्रह्मपुत्र में गाद के बढ़ने से डिब्रूगढ़ के आसपास कटाव बढ़ गया। दुनिया में सबसे अधिक तलछट से भरी नदियों में से एक ब्रह्मपुत्र है। इसके साथ बहकर आई गाद, मिट्टी और चट्टानों के टुकड़ों से द्वीप बनते हैं। यहां इसे चार की जमीन कहते हैं। यहां ऐसे करीब 2,300 द्वीप बन चुके हैं। कुछ बड़े द्वीपों को छोड़ दें तो इनमें अधिकतर अस्थायी हैं- स्थानांतरित होते रहते हैं। इनमें सबसे बड़ा द्वीप माजुली है जो कि दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप है। कटाव की वजह से अपने मूल आकार के एक-तिहाई तक सिकुड़ जाने के बाद भी यह विशाल बना हुआ है। लगभग 400 वर्ग किमी में फैला माजुली तकरीबन राजस्थान की राजधानी जयपुर जितना बड़ा है। डिब्रूगढ़ भी इसी तरह निर्मित है। डिब्रूगढ़ में हर दशक में बाढ़ के स्तर में 0 ?.33 मीटर की दर से वृद्धि हुई। इससे नदी की गहराई और जल वहन क्षमता कम हो गई है।

डिब्रूगढ़ शहर के लिए यह खतरा नया नहीं है। बीते चार दशकों से यहां कटाव तेजी से हो रहा है लेकिन लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। जल संसाधन विभाग ने कटाव रोकने के जो भी प्रयास किये वे पानी में मिट्टी की ही तरह बह गए। दरअसल, सरकारी महकमे ब्रह्मपुत्र नदी के चरित्र को समझने में असफल रहे हैं। जब-जब भूमि कटाव से दहशत फैलती है तो महकमें पत्थर-मिट्टी से तटबंध बना देते हैं। मैजान मोथोला से मोहनघाट और बोगीबील तक 10 किमी लंबा तटबंध बना दिया तो शहर के बीचोंबीच 22 किमी लंबा नाला खोद दिया गया। इधर शहर की आबादी बढ़ी और दूसरी तरफ नदी ने जमीन को काटा। नाला भी शहर में बाढ़ का कारक बन गया।

इसमें कोई शक नहीं कि असम की भौगोलिक स्थिति जटिल है। उसके पड़ोसी राज्य पहाड़ों पर हैं और वहां से नदियां तेज बहाव के साथ नीचे की तरफ आती हैं। असम की ऊपरी अपवाह में कई बांध बनाए गए। चीन ने तो ब्रह्मपुत्र पर कई विशाल बांध बनाए हैं। इन बांधों में जब कभी जल का भराव पर्याप्त हो जाता है, पानी को अनियमित तरीके से छोड़ दिया जाता है। एक तो नदियों का अपना बहाव और फिर साथ में बांध से छोड़ा गया जल, इनकी गति बहुत तेज होती है और इससे जमीन का कटाव होना ही है। भारत सरकार की एक रिपोर्ट बताती है कि असम में नदी के कटाव को रोकने के लिए बनाए गए अधिकांश तटबंध जर्जर हैं और कई जगह पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। अनुमान है कि राज्य में कोई 4448 किलोमीटर नदी तटों पर पक्के तटबंध बनाए गए थे ताकि कटाव को रोका जा सके लेकिन आज इनमें से आधे भी बचे नहीं हैं। बरसों से इनकी मरम्मत नहीं हुई, वहीं नदियों ने अपना रास्ता भी खूब बदला। भूमि कटाव का बड़ा कारण राज्य के जंगलों व आर्द्र भूमि पर हुए अतिक्रमण भी हैं। राज्य के हजारों पुखरी-धुबरी नदी से छलके जल को साल भर सहेजते थे। ऐसे स्थानों पर अतिक्रमण का रोग ग्रामीण स्तर पर पहुंच गया और नदी को अपने किनारे काटने के अलावा कोई रास्ता नहीं दिखा। वर्ष 1912-28 के दौरान जब ब्रह्मपुत्र नदी का अध्ययन किया था तो यह करीब 3870 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र से गुजरती थी। साल 2006 में किए गए इसी तरह के अध्ययन से पता चला कि नदी का भूमि छूने का क्षेत्र 57 प्रतिशत बढ़ कर 6080 वर्ग किलोमीटर हो गया।

वैसे तो नदी की औसत चौड़ाई 5.46 किलोमीटर है लेकिन कटाव के चलते कई जगह ब्रह्मपुत्र का पाट 15 किलोमीटर तक चौड़ा हो गया है। साल 2001 में कटाव की चपेट में 5348 हेक्टेयर उपजाऊ जमीन आई, जिसमें 227 गांव प्रभावित हुए और 7395 लोगों को विस्थापित होना पड़ा। वहीं 2004 में यह आंकड़ा 20724 हेक्टेयर जमीन, 1245 गांव और 62,258 लोगों के विस्थापन पर पहुंच गया। साल 2010 से 2015 के बीच नदी के बहाव में 880 गांव बह गए, जबकि 67 गांव आंशिक प्रभावित हुए। असम की लगभग 25 लाख आबादी ऐसे गांवों में रहती है जहां हर साल नदी उनके घर के करीब आ रही है। ऐसे इलाकों को यहां 'चार' कहते हैं। हर बार 'चार' के संकट, जमीन का कटाव रोकना, मुआवजा, पुनर्वास चुनावी मुद्दा भी होते हैं। डिब्रूगढ़ जैसे पर्यटन स्थल पर खतरा मंडरा रहा है तो उसकी चर्चा भी है लेकिन यह राज्य की बड़ी आबादी के लिए स्थाई रोग है। जरूरत है कि असम की नदियों में ड्रेजिंग के जरिये गहराई को बढ़ाया जाए। इसके किनारे से रेत खनन पर रोक लगे।

उम्र के हिसाब से बच्चों को नींद लेना बहुत जरूरी

अच्छी नींद ना लेने से हो सकते हैं बीमार

जिन बच्चों को पर्याप्त नींद नहीं मिलती है, वे गंभीर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रस्त हो सकते हैं। सही स्लीपिंग पैटर्न बनाकर से बच्चे की इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद मिलती है। जो लोग पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, उनके वायरस के संपर्क में आने पर बीमार होने की संभावना अधिक होती है। अपर्याप्त नींद लेने पर स्ट्रेस हार्मोन, कोर्टिसोल बढ़ता है जिससे चिंता पैदा होती है। नींद की कमी होने पर इंसान ज्यादा खाता है जिससे मोटापा बढ़ने का डर रहता है।

बच्चों को कितनी देर सोना चाहिए

उम्र के आधार पर बच्चे के लिए नींद के घंटे अलग होते हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार 1 वर्ष से कम आयु के शिशु 12 से 16 घंटे, 1 से 2 साल के बच्चे 11 से 14 घंटे, 3 से 5 साल के बच्चे 10 से 13 घंटे, 6 से 12 साल के बच्चे 9 से 12 घंटे और 13 से 18 वर्ष के किशोर 8 से 10 घंटे सोने चाहिए।

हर साल 17 मार्च को विश्व नींद दिवस यानि वर्ल्ड स्लीप डे मनाया जाता है। ऑक्सफोर्ड हेल्थ एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट का कहना है कि मनोवैज्ञानिक चिकित्सक तक रात को अच्छी नींद लेने की सलाह देते हैं। नींद हमारे मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने में मदद करती है और हमें अगले दिन की चुनौतियों और तनावों के लिए तैयार करती है। रात को अच्छी नींद लेने का बहुत महत्व है और यह दिमाग को संतुलित और स्वस्थ बनाए रखने के प्रमुख तरीकों में से एक है। इस वर्ल्ड स्लीप डे पर जानते हैं कि बच्चों के लिए 8 घंटे की नींद लेना क्यों जरूरी होता है।

बच्चों के लिए क्यों जरूरी है अच्छी नींद

नींद हर किसी की दिनचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा है और एक स्वस्थ जीवन शैली के लिए भी जरूरी है। अध्ययनों से पता चला है कि जो बच्चे नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में नींद लेते हैं, उनके ध्यान, व्यवहार, सीखने, स्मृति और समग्र मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। पर्याप्त नींद न लेने से हाई बीपी, मोटापा और यहां तक कि अवसाद भी हो सकता है। मेडिकल रिसर्च में खुलासा हुआ है कि गहरी नींद में शरीर में ग्रोथ हार्मोन बहुत एक्टिव होता है। बच्चे जितनी अच्छी नींद लेंगे, उनका इम्यून सिस्टम उतना ही ज्यादा मजबूत होगा।

अच्छी नींद पाने के उपाय

रोज एक ही समय पर सोना और उठना जरूरी और महत्वपूर्ण होता है। रोज रात को एक ही समय पर सोना चाहिए। बच्चे को समय पर सुलाने के लिए आप कमरे में रोशनी कम रखें, बिस्तर पर जाने से लगभग एक घंटे पहले गैजेट्स का इस्तेमाल ना करें और ना ही बच्चे को करने दें, कैफीन कम लें, गुनगुने पानी से नहाएं। ये कुछ बेहद आसान तरीके हैं जिनकी मदद से आप अपने बच्चे को समय पर सुला सकते हैं और अच्छी और पर्याप्त नींद लेने में उसकी मदद कर सकते हैं।

हंसना मना है

पप्पू ने एक लड़की को प्रपोज किया, तो लड़की ने पप्पू को खूब पीटा। चप्पल से पीटा, लाठी से पीटा, और बहुत घसीट-घसीट के पीटा। पप्पू उठा और कपड़े झाड़ते हुए बोला, तो फिर मैं इंकार समझूं।

किसी बारात में दुल्हन को घूंघट में देख पप्पू शादी कराने वाले पंडित से बोला-लो यहां भी दुल्हन घूंघट में है। पप्पू की बात सुन पंडित मुस्कुरा उठे...पप्पू-पंडित जी, दुल्हन घूंघट में काहे है। पंडित जी बोले-बेटा, तुम्हारी तो हो नहीं रही है... तुम्हारे जैसे कितने पप्पू हैं। उनकी भी नहीं हो रही है... अगर दुल्हन घूंघट में न रहें, तो तुम्हारे जैसे कितने पप्पू एक साथ बोल पड़ेंगे-आइला, ये तो मेरी वाली है।

एग्जाम शुरू होते ही बच्चे ने पेपर पर सुसु कर दिया, यह देख मैडम बोली-तुमने पेपर पर सुसु क्यों कर दिया। बच्चा बोला-मां ने कहा था... एग्जाम में पेपर मिलने के बाद जो पहले आए वही करना। इसके लिए पहले सुसु किया।

पप्पू ने पार्क में एक लड़की को छेड़ दिया... लड़की गुस्से में पप्पू की मां के पास गई और बोली- अपने आवारा बेटे को संभाल लीजिए, वर्ना जल्द आप दादी बन जाएंगी।

कहानी | डर का सामना

हर किसी की जिंदगी में ऐसा पल जरूर आता है जब उसे किसी-न-किसी वजह से डर लगने लगता है। इस डर का सामना करने के लिए जानना जरूरी है स्वामी विवेकानंद का एक किस्सा। एक दिन की बात है स्वामी विवेकानंद मंदिर में दर्शन करने के बाद प्रसाद लेकर बाहर निकले। कुछ देर आगे चलने के बाद स्वामी के घर के रास्ते में उन्हें कुछ बंदरों ने घेर लिया। स्वामी थोड़ा आगे बढ़ते और वो बंदर उन्हें काटने को आते। काफी देर तक स्वामी विवेकानंद ने आगे जाने की कोशिश की, लेकिन वो ऐसा कर न पाए। आखिर में स्वामी विवेकानंद वहां से वापस मंदिर की ओर लौटने लगे। उनके हाथ से प्रसाद की थैली को छीनने के लिए बंदरों की टोली भी उनके पीछे भागने लगी। स्वामी डर गए और वो भी डर के मारे दौड़ने लगे। दूर से मंदिर के पास बैठा एक बूढ़ा सन्यासी सब कुछ देख रहा था। उसने स्वामी को भागने से रोका और कहा, बंदरों से डरने की जरूरत नहीं है। तुम इस डर का सामना करो और फिर देखो क्या होता है। स्वामी विवेकानंद संन्यासी की बात सुनकर वहां ठहरे और बंदरों की तरफ मुड़ गए। अपनी तरफ तेजी से बंदरों का आता देखकर स्वामी भी उनकी तरफ उतनी ही तेजी से बढ़ने लगे। बंदरों ने जैसे ही स्वामी विवेकानंद को अपनी तरफ आता देखा, तो वो डरकर भागने लग गए। अब बंदर आगे-आगे भाग रहे थे और स्वामी जी बंदरों के पीछे-पीछे। कुछ ही देर में सभी बंदर उनके रास्ते से हट गए। इस तरह स्वामी विवेकानंद ने अपने डर पर जीत हासिल की। फिर वो लौटकर उसी संन्यासी के पास गए और उनको इतनी बड़ी बात सिखाने के लिए धन्यवाद कहा।

कहानी से सीख- कोई भी चीज डर का कारण तब तक बनी रहती है, जब तक हम उससे डरते हैं। इसी वजह से डर से डरने की जगह उसका सामना करना चाहिए। ऐसा करने से डर भाग जाता है।

7 अंतर खोजें

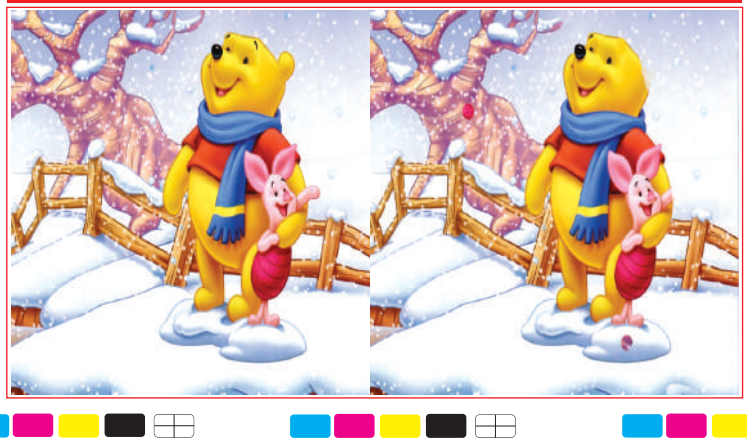

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। आपकी सामाजिक स्थिति में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा।

वृषभ

आपके लिए आज का दिन काफी अच्छा रहेगा। काम के सिलसिले में आपको अच्छे नतीजे मिलेंगे। आप अपनी बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए हर काम को आसान बना लेंगे।

मिथुन

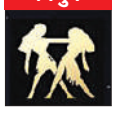

आजका दिन बेहतर रहेगा। वर्क फॉम होम कर रहे कर्मचारियों को आज किसी जरुरी काम से ऑफिस जाना पड़ेगा। अपने जीवनसाथी से आप कुछ अच्छी बातें शेयर करेंगे।

कर्क

अपने कार्यों के लिए कार्यस्थल पर आप प्रशंसा के पात्र बन सकते हैं। आपको गुस्सा करने से बचना होगा और खासकर किसी ऐसी बात से बचना होगा जो किसी का दिल दुखाए।

सिंह

आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। आपकी इनकम भी बढ़ेगी और खर्चे भी बढ़ेंगे लेकिन खर्चों से आपको घबराने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कन्या

अगर आप किसी से अपने दिल की बात कहना चाहते हैं, तो आज का दिन आपके लिये बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज आप अपने कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे।

तुला

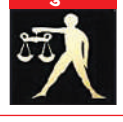

स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि आप छोटी-मोटी बीमारियों का सामना कर सकते हैं। कार्यस्थल पर किसी के प्रति आपका आकर्षण बढ़ सकता है।

वृश्चिक

आपके लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। दोपहर बाद स्थिति में ज्यादा बदलाव आएगा और मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। आप काफी राहत की सांस लेंगे।

धनु

आपको परिवार वालों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक रूप से पिता आपकी मदद करेंगे।कोई शुभ समाचार मिलाने से परिवार में खुशहाली का माहौल बना रहेगा।

मकर

आज आप अपरिचित लोगों से सावधान रहें। आस्था और विश्वास से काम पूरे होंगे। प्रेम-संबंधों के मामले में आप भाग्यशाली रहेंगे। आध्यात्म के प्रति आपकी रुचि रहेगी।

कुम्भ

आपके लिए आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा।दांपत्य जीवन में सुखद समाचार मिलेंगे और जीवनसाथी से रिश्ता बढ़िया बनेगा। रिश्ता मधुर बनेगा। खर्चों में बढ़ोतरी होगी।

मीन

आज प्रॉपर्टी लेने का मन बनायेंगे। आप किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने के बारे में सोच सकते हैं। लवमेट को एक दुसरे से गिफ्ट मिलेगा। एजुकेशन के मामले में दिन अच्छा रहेगा।

अजय देवगन की 'मैदान' का ट्रेलर हुआ रिलीज

अजय देवगन की हाल में ही भोला रिलीज हुई है। इसके साथ उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म फिल्म मैदान का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। फिल्म पिछले काफी समय से खबरों में है। कोरोना महामारी के चलते इसकी रिलीज को लगातार टाला जा रहा था। अब फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर देखने के बाद फिल्म के लिए लोगों की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।

ट्रेलर की शुरुआत फुटबॉल मैच की कमेंट्री से होती है, जिसमें बताया जा रहा हैं कि बारिश के चलते ये मैच काफी मुश्किल होने वाला है। आजादी के बाद पांचवे साल में भारत दूसरे बार ओलपिंक में अपनी जगह बनाता है, ऐसे में उनके लिए ये और भी खास मैच है। खिलाड़ियों को पानी से भरे मैदान में नंगे पैर खेलना पड़ेगा। इस मुश्किल में प्लेयर कैसे डटे रहेंगे देखने लायक होगा। फिल्म की पंच लाइन भी ट्रेलर में सुनाई देती है, जिसमें अजय देवगन कहते नजर आ रहे हैं कि आज मैदान में उतरेंगे 11 लेकिन दिखेंगे

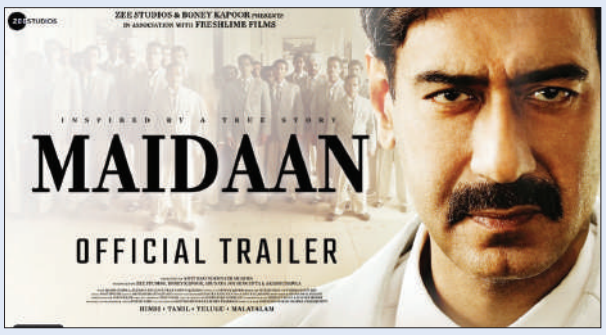

1. अजय देवगन ने फिल्म भोला की रिलीज के साथ मैदान का ट्रेलर साझा किया है। अजय ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, मैदान में उतरेंगे ग्यारह लेकिन दिखेंगे एक। इस फिल्म का निर्देशन अमित रवींद्रनाथ शर्मा ने किया है। फिल्म में अजय कोच की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

फिल्म मैदान भारतीय फुटबॉल के गोल्डन डेज पर आधारित है। इस फिल्म में अजय का किरदार महान कोच सैयद अब्दुल रहीम पर बेस्ड है, जिन्हें भारतीय फुटबॉल के पिता माना जाता है। रहीम 1950 से 1963 तक भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मैनेजर थे। बता दें फिल्म 23 जून को रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

कास्टिंग काउच में महिलाएं पुरुषों से कम नहीं : ठाकरे

शो बिज की दुनिया दूर से हमेशा ही बहुत चकाचौंध भरी लगती है। हालांकि, इसके भीतर की सच्चाई वही लोग जानते हैं जो इसके साथ जुड़े हुए हैं। पिछले कुछ समय से इंडस्ट्री में खासतौर पर कास्टिंग काउच को लेकर कई खुलासे किए जा रहे हैं। अब बिग बॉस 16 के फर्स्ट रनर-अप शिव ठाकरे अपने उस बुरे दौर को याद कर ऐसा खुलासा किया है कि सभी दंग रहे हैं। शिव ठाकरे को बिग बॉस के कारण देशभर में एक अलग पहचान मिल चुकी है। एक्टर की लगातार सफलता मिलती जा रही है, जिसके कारण वह एक के एक बाद अपने सभी सपने पूरे कर रहे हैं। हाल ही में शिव ने लग्जरी कार टाटा हैरियर खरीदी। इसके अलावा उन्होंने अपना एक रेस्टोरेंट भी खोला है। अब शिव ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया है। शिव ठाकरे ने एक इंटरव्यू में अपने साथ हुए कास्टिंग काउच का अनुभव को शेयर किया है। उन्होंने बताया, मैं एक बार आराम नगर में ऑडिशन के लिए गया था और वह मुझे बाथरूम में ले गया और कहा, यहां पर मसाज सेंटर है। मुझे ऑडिशन और मसाज सेंटर के बीच कोई संबंध नहीं दिखाई दिया। उन्होंने मुझसे कहा, आप एक बार आओ ऑडिशन के बाद आप यहां वर्कआउट भी करते हो। यह सुनते ही मैं वहां से भाग गया। शिव ने आगे कहा, मैंने ऐसा महसूस किया है कि जब कास्टिंग काउच की बात आती है तो पुरुषों और महिलाओं के बीच कोई भेदभाव नहीं किया जाता। शिव ठाकरे ने कास्टिंग काउच के अपने दूसरे किस्से को याद करते हुए कहा, चार बंगलों में एक मैडम थीं। वह मुझे कहती थीं, मैंने इसको बनाया है। उन्होंने मुझे रात के 11 बजे ऑडिशन के लिए बुलाया था। शिव ने बताया, मैं इतना भी भोला नहीं हूं कि ये नहीं समझ पाऊंगा कि रात में क्या ऑडिशन क्या मतलब हैं। मैंने उनसे कहा कि मुझे कुछ काम है, मैं नहीं आ पाऊंगा। इस पर उस महिला ने कहा, काम नहीं करना? इंडस्ट्री में काम नहीं मिलेगा वगैरह-वगैरह। वो आपको डीमोटिवेट करेंगे और आपके साथ हेरफेर करेंगे, लेकिन मैं इससे कभी परेशान नहीं हुआ।

परिणीति चोपड़ा को हार्डी संधू ने दी बधाई

परिणीति चोपड़ा अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से सुर्खियों में छाई हुई हैं। उनके और आप नेता राघव चड्ढा के बीच का रिलेशन क्या है, इसे जानने में सभी की दिलचस्पी बनी हुई है। परिणीति-राघव चड्ढा की बार-बार हो रही मुलाकातों पर फैंस ने नजरें टिकी हुई हैं। आप नेता संग रिलेशनशिप की खबरों के बीच परिणीति संग फिल्म कोड नेम तिरंगा में काम कर चुके हार्डी संधू ने बताया कि उन्होंने परिणीति को फोन कर बधाई दी है।

पंजाबी सिंगर-एक्टर हार्डी संधू ने एक इंटरव्यू में कहा- मैं बहुत खुश हूं कि ये आखिरकार हो रहा है। मैं परिणीति को गुड लक विश करता हूं। मालूम हो, हार्डी संधू और परिणीति ने 2022 में रिलीज हुई स्पाई थ्रिलर कोड नेम- तिरंगा में काम किया था। हार्डी ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान वे और परिणीति शादी के बारे में बात किया करते थे।

एक्टर ने कहा- जब हम फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, हमारे बीच शादी को लेकर बातचीत होती थी। परिणीति मुझसे कहती थीं- मैं तभी शादी करूंगी जब मुझे लगेगा मैंने अपना मिस्टर राइट ढूंढ़ लिया है। हार्डी ने बताया कि उन्होंने हाल ही में परिणीति चोपड़ा से बात की है। वे कहते हैं- हां, मैंने उन्हें फोन किया और बधाई दी। परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा के रिलेशनशिप की खबरें तब सामने आईं जब उन्हें साथ में मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर देखा गया। दोनों को बार-बार लंच और डिनर डेट पर देखे जाने के बाद फैंस के बीच उनके रिलेशन की चर्चाओं ने जोर पकड़ा। इन अटकलों को आप सांसद संजीव अरोड़ा के ट्वीट ने और हवा दी। संजीव ने परिणीति और राघव चड्ढा की फोटो शेयर कर दोनों को बधाई दी थी। उन्होंने ट्वीट में लिखा था- मैं राघव चड्ढा और परिणीति चोपड़ा को हार्दिक बधाई देता हूं। मैं आशा करता हूं कि दोनों का साथ प्यार, आनंद और कंपेनियनशिप से भरा रहे। मेरी शुभकामनाएं!

बॉलीवुड | मसाला

दुनिया की सबसे महंगी घड़ी! कीमत इतनी कि गाड़ी-बंगला सब आ जाए

दुनिया की सबसे महंगी घड़ी के लिए अगर आप गूगल करेंगे तो कई तरह के उत्तर मिलेंगे। क्योंकि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आप विंटेज घड़ियों को शामिल करते हैं या नहीं। पाटेक स्टील में फिलिप ग्रैंडमास्टर चाइम 2019 में 3.1 करोड़ डॉलर यानी करीब 2.5 अरब में नीलाम हुई। पाटेक फिलिप हेनरी ग्रेव्स सुपरकंप्लीकेशन 2.4 करोड़ डॉलर यानी करीब 2 अरब में बिकी। लेकिन यह खास घड़ियां थीं, जिसे आम लोगों के लिए खरीदना आसान नहीं था। अब एक और घड़ी को सबसे महंगी घड़ी बताया जा रहा है, जिसकी कीमत 2 करोड़ डॉलर रखी गई। इतनी कीमत में आप गाड़ी-बंगला तक खरीद सकते हैं। हीरों से जड़ित इस घड़ी को जैकब एंड कंपनी ने मार्केट में उतारा है और दुनिया की सबसे महंगी घड़ी का नया दावेदार बताया है। इसमें आम घड़ियों की तरह घंटे, मिनट और एक सेकेंड का टूरबेलॉन है। सब रत्नों से सजी हुई हैं। इसमें 217 कैरेट के पीले हीरे लगे हुए हैं जो पूरी वॉच को कंगन की तरह कवर करते हैं। देखने में यह आपको सोने का एक गुच्छा नजर आएगा लेकिन चमक देखकर आंखें चौंधिया जाएंगी। कंपनी के मुताबिक, इसमें फैंसी येलो और फैंसी इंटेंस येलो रंग के 425 हीरों से डॉयल तैयार किया गया है। अंदर का हिस्से में भी 57 हीरों का इस्तेमाल किया गया है। कंपनी के सीईओ बेंजामिन अरबोव ने कहा, रत्नों की संख्या इतनी ज्यादा है कि इसकी तलाश पूरी दुनिया में की गई। साढ़े तीन साल लग गए। सभी रत्नों को हमारे जिनेवा मुख्यालय में इकट्ठा किया गया। यहां सेटिंग से पहले और बाद में प्रत्येक रत्न की जांच की गई। हमने कुछ अनोखा किया जो दुनिया में आज तक नहीं हुआ था। यह भव्यता और विशिष्टता में दूसरी घड़ियों से काफी आगे है। यह जैकब एंड कंपनी की पहली अरबपति घड़ी नहीं है। पहली, हीरों से जड़ित घड़ी 2015 में मार्केट में उतारी गई थी, जिसकी कीमत 1.8 करोड डॉलर थी। बता दें विंटेज घड़ियों में सबसे आगे Graff Diamonds द्वारा बनाई गई Hallucination है। इसमें अलग-अलग रंग और कट के 110 कैरेट हीरे लगे हैं। इन्हें एक प्लेटिनम के ब्रेसलेट पर सजाया गया है। 2014 में लॉन्च हुई इस घड़ी की कीमत 5.5 करोड़ डॉलर (लगभग 455 अरब रुपये) है। दूसरे नंबर पर है इसी कंपनी की The Fascination, जिसकी कीमत 4 करोड़ डॉलर है। इस घड़ी में 152.96 कैरेट के सफेद हीरे जड़े हैं। इसका उत्पादन 2015 में हुआ था।

अजब-गजब | यूके के बायोग्राफर जॉन औबेरी ने की थी शुरुआत

सैकड़ों साल पुराना है 'अप्रैल फूल्स डे'

मूर्ख दिवस का नाम सुनकर आपको ऐसा लगता होगा कि ये दुनिया भर के मूर्खों का मजाक उड़ाने का दिन है। मजाक उड़ाना यानी आप ऐसे लोग, जिन्हें आसानी से उल्लू बनाया जा सकता है, को और तंग करें। लेकिन आपको बता दें कि इस दिन का मूर्खता से कोई लेना-देना ही नहीं है। अप्रैल महीने के पहले दिन हर साल इसे मनाया जाता है। लेकिन आखिर इस दिन का इतिहास क्या है? और क्यों इस दिन को मुर्ख दिवस कहा जाता है?

आज अप्रैल फूल्स डे है। ये हर साल अप्रैल महीने की पहली तारीख को मनाया जाता है। लोग कोशिश करते हैं कि इस दिन अपने जानने वालों को अच्छे से मुर्ख बनाया जाए। कोई किसी झूठे बहाने से या फिर किसी तरह का प्रैंक कर लोगों को उल्लू बनाते हैं। जब सामने वाला मुर्ख बन जाता है तब उसे अप्रैल फूल कहा जाता है। आज अप्रैल फूल्स डे है। लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर इसकी शुरुआत कैसे हुई? अप्रैल फूल्स डे की शुरुआत आज से नहीं, सैंकड़ों साल पहले हुई थी। कहा जाता है कि इसकी शुरुआत 1686 में यूके के बायोग्राफर जॉन औबेरी ने की थी। वो इसे फूल्स होली डे के तौर पर मनाते थे। इसके कुछ साल बाद 1698 में लोगों को अफवाह फैलाकर टावर ऑफ लंदन में जमा किया गया। उन्हें कहा गया कि वहां से वो

दुनिया से खत्म होते शेर को देख पायेंगे। लोग आए और ऐसा कुछ नहीं हुआ। अगले दिन अखबार में इस झूठ का पर्दाफाश किया गया। तबसे दुनिया में पहली अप्रैल को झूठ बोलकर लोगों को उल्लू बनाने का सिलसिला शुरू हो गया।

आपको बता दें कि फ्रांस में लोगों को उनके खाने में जहर होने का झूठ बोल डराया जाता था। पहले तो लोगों को ये मजाक नापसंद था। लेकिन कुछ समय बाद इसे गुड लक से जोड़ दिया गया। ग्रीस में माना जाता है कि अगर आपको अप्रैल फूल बनाया गया है तो सालभर आपके पास गुड लक रहेगा। वहीं अमेरिका में पहली अप्रैल को बारिश होने को शुभ माना जाता है। हालांकि, अब सोशल मीडिया के आ जाने से प्रैंक और झूठी खबरों को पहली अप्रैल को शेयर करने पर रोक लगा दी गई है। अगर इसे मनोरंजक तरीके से मनाया जाए तो ये मजेदार है। लेकिन अगर इसका स्तर बढ़ जाता है तो इससे कई तरह के नुकसान हो सकते हैं।

बारिश ने कराया ठंड का एहसास, किसानों की टूटी आस

» शनिवार की सुबह तेज वर्षा व अंधड़ से जीवन अस्त-व्यस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शनिवार की सुबह भी राजधानी लखनऊ समेत यूपी के हिस्सों में तेज बारिश हुई। बारिश के साथ तेज आंधी से कई हिस्सों में पेड़ व बिजली के खंभे तक गिर गए। बारिश व हवा का असर तापमान पर भी पड़ा। पहली अप्रैल की सुबह के समय लोगों ने हल्की ठंड महसूस की। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बरसात और तेज हवाओं का यह दौर शनिवार से अगले दो दिनों के लिए थम सकता है। इसके बाद फिर दो दिन तक बारिश व तेज हवाओं की आशंका जताई जा रही है।

मार्च का महीना जाते जाते भी किसानों को करारी चोट दे गया। मार्च के दूसरे सप्ताह में हुई बारिश और ओलावृष्टि से किसान अभी अपनी फसल को संभाल भी न पाए थे कि इस अंतिम सप्ताह में फिर से मौसम की मार पड़ी। गेहूं, सरसों तथा सब्जियों की फसल को भारी नुकसान हुआ है। उधर 13 जिलों में फैली हुई आम की फसल को भी इस बारिश से नुकसान हुआ है। आम पर इस बार बौर अच्छा था पर अब नुकसान हो रहा है। पहले तेज हवा से बौर गिरा। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते दो दिनों से प्रदेशभर में हुई बारिश, ओलावृष्टि एवं तेज हवा ने फसलों को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया है। बारिश रुक रुक पूरे प्रदेश में हो रही है। उधर अवध क्षेत्र में भी यही हाल है। पश्चिमी उप्र में जमकर बारिश तथा तेज हवा चली। कई जिलों में ओले भी गिरे। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक तीन और चार अप्रैल को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तेज बरसात हो सकती है।

औसतन 2.7 मिमी बरसात रिकॉर्ड

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, प्रदेश में पिछले 24 घंटे में औसतन 2.7 मिमी बरसात रिकार्ड हुई है। इसमें सर्वाधिक बरसात गौतमबुद्ध नगर में 21 मिमी रिकार्ड की गई। जबकि बागपत में 16.7 मिमी, मुजफ्फरनगर में 15.9, मेरठ में 14.8 और गाजियाबाद में 14 मिमी पानी बरसा। सिद्धार्थनगर में ओलावृष्टि भी हुई। पूर्वी उत्तर प्रदेश में सोनभद्र में 5.2 मिमी पानी बरसा। लखनऊ में 4.2, कानपुर में 3.9, बाराबंकी में 3.4, हरदोई में 2.1 मिमी बारिश का औसत रहा। राजधानी में सात मिमी पानी गिरा। शनिवार दोपहर से मौसम सामान्य होने लगेगा। रविवार को लखनऊ समेत प्रदेश में मौसम शुष्क हो जाने की संभावना है।

केजरीवाल मेरे खिलाफ बोले तो मुकदमा करूंगा : सीएम हिमंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल असम में रविवार को रैली करने वाले हैं। उस रैली से पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने अरविंद केजरीवाल को चेतावनी दी है कि अगर केजरीवाल ने उन पर झूठे आरोप लगाए तो वह उनके खिलाफ मुकदमा कर देंगे। हिमंता बिस्व सरमा का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कथित तौर पर अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में कहा कि हिमंता बिस्व सरमा के खिलाफ कई राज्यों में मामले दर्ज हैं।

मीडिया से बात करते हुए हिमंता बिस्व सरमा ने कहा कि क्या मेरे खिलाफ देश के किसी हिस्से में मामले दर्ज हैं? मैं मानहानि का मामला दर्ज कराना चाहता हूं लेकिन अरविंद केजरीवाल कायर की तरह विधानसभा में बोल रहे हैं। इसलिए उन्हें 2 अप्रैल को असम आने दीजिए और यह कहने दीजिए कि हिमंता बिस्व सरमा के खिलाफ मामले दर्ज हैं। मैं उनके खिलाफ केस दर्ज करा दूंगा।

अग्निकांड का राजनीतिकरण न करें, क्षति पर होगा विचार : पाठक

» कानपुर के हमराज मार्केट में हादसा, डिप्टी सीएम ने पांचों टावरों का किया निरीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। यूपी के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अनवरगंज में एआर टावर समेत पांच इमारतों में आग लगने की घटना पर राजनीति न करने की अपील की है। डिप्टी सीएम निरीक्षण करने कानपुर पहुंचे। उनका ये औचक दौरा रहा। मुख्यमंत्री ने पांचों टावर का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा ये दुखद घटना है और इसका राजनीतिकरण करना ठीक नहीं। उप मुख्यमंत्री ने कहा की सरकार व्यापारियों के साथ है। हम इस पर आंकलन करेंगे कि उनकी कितनी क्षति हुई है। उसके बाद सरकार विचार करेगी कि इसमें व्यापारियों की कैसे मदद की जा सकती है। उन्होंने कहां की प्रशासन से वास्तविक क्षति को लेकर जांच कराई जाएगी और उसे कागजों में अंकित कर सरकार के सामने रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं

एआर टॉवर में दो दर्जन से अधिक रेडीमेड कपड़ों की होलसेल दुकानें हैं। बताया जा रहा है कि आग शार्ट सर्किट से लगी जो धीरे-धीरे भड़कते हुए पूरी बिल्डिंग में फैल गई। पुलिस का कहना है कि आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी।

कानपुर, उन्नाव और लखनऊ समेत कई जिलों की 50 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में लगी हैं। डीएम और पुलिस कमिश्नर ने सेना के अफसरों से संपर्क किया है। मौके पर आग बुझाने के लिए सेना की गाड़ियां भी पहुंच गई हैं। कानपुर पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड, जॉइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी और डीएम मौके पर मौजूद हैं। एयरफोर्स, आर्मी, सीओडी आदि के अधिकारी और गाड़ियां भी मौके पर पहुंच चुकी हैं।

एक व्यक्ति लापता

बताया जा रहा है कि पान मसाला दुकानदार ज्ञान चंद उर्फ छोटू साहू एआर टॉवर के अंदर सो रहा था। आग लगने के बाद से वो लापता है, जिससे परिजन परेशान हो रहे हैं। वहीं, सर्च ऑपरेशन के लिए फायर विकेट की टीम भी पहुंच गई है। उधर जिलाधिकारी कानपुर विशाख जी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। आग पर पूरी तरह काबू पाने के लिए हमारी योजना सफल रही है। उन्होंने बताया कि रेडीमेड कपड़ा बाजार में आग लगने की विस्तृत जांच की जाएगी। साथ ही, नुकसान का आकलन भी कराया जाएगा।

आईपीएल-16 का हुआ रंगारंग आगाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। आईपीएल-16, 2023 का शानदार आगाज हो गया। पहला उद्घाटन मैच गुजरात टाइटंस ने जीत लिया। मैच से पहले ओपेनिंग सेरेमनी में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें गीत, संगीत से स्टेडियम में समा बंधा रहा।उधर एमएस धोनी दुनिया के सबसे पसंदीदा क्रिकेटरों में से एक हैं और स्टार गायक अरिजीत सिंह भी अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। दोनों ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के उद्घाटन समारोह के दौरान एक भावुक पल साझा किया। यह तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हो रही है। तस्वीर में अरिजीत को धोनी के पैर छूते हुए देखा जा सकता है।

दरअसल, अरिजीत ने उद्घाटन समारोह के दौरान अपने हिट गानों से फैंस को रोमांचित कर दिया। उनके साथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और तमन्ना भाटिया ने भी हिट गानों पर परफॉर्म किया। परफॉर्मेंस के बाद ट्रॉफी अनावरण के लिए तीनों स्टेज पर मौजूद थे। तभी दोनों टीमों के कप्तानों को बुलाया गया। पहले चेन्नई के कप्तान धोनी स्टेज पर पहुंचे। जैसे ही वह अरिजीत के पास पहुंचे, अरिजीत ने उनके पैर छू लिए। उनके इस अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया। धोनी ने तुरंत अरिजीत को उठाया और गले लगा लिया।

गायकवाड़ की पारी पर गिल पड़े भारी

मैच में धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स को हार का सामना करना पड़ा। गुजरात की ओर से शुभमन गिल ने 63 रन बनाए हालांकि चेन्नई की ओर रुतुराज गायकवाड़ ने 92 रन बनाए थे। गुजरात टाइटंस ने सीएसके को पांच विकेट से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 20 ओवर में सात विकेट पर 178 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम ने 19.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। चेन्नई की शुरुआत खराब रही थी डेवोन कॉन्च कुछ खास नहीं कर पाए थे और एक रन बना सके। मोईन अली ने 17 गेंदों में 23 रन की पारी खेली। वहीं, गायकवाड़ ने 50 गेंदों में चार चौके और नौ छक्के की मदद से 92 रन की बेहतरीन पारी खेली, लेकिन शतक से पहले वह आउट हो गए। इसके अलावा स्टोक्स सात रन, रायुडू 12 रन, शिवम दुबे 19 रन, जडेजा एक रन बनाकर आउट हुए। धोनी सात गेंदों में 14 रन बनाकर नाबाद रहे। शमी, राशिद और अल्जारी जोसेफ को दो-दो विकेट मिले। जवाब में गुजरात की शुरुआत ठीक-ठाक रही। ऋद्धिमान साहा 16 गेंदों में 25 रन बना सके। शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी निभाई। सुदर्शन 22 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान हार्दिक पांड्या आठ रन बना सके। विजय शंकर ने 27 रन की पारी खेली। गुजरात के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज शुभमन गिल रहे। उन्होंने 36 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के की मदद से 63 रन की पारी खेली।

पुस्तकें पाकर खिल उठे बच्चों के चेहरे

» सीएम योगी ने स्कूल चलो अभियान का किया शुभारंभ, उत्तीर्ण बच्चे हुए सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में संचारी रोग नियंत्रण अभियान और स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने कक्षा एक से आठ तक के बच्चों को पुस्तकें भी भेंट की।

कार्यक्रम में निपुण आकलन में उत्तीर्ण होने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में शिक्षक मैनुअल और कलेंडर का भी विमोचन

फोटो: सुमित कुमार

किया। प्रदेश सरकार ने बीते चार वर्ष में स्कूल छोड़ चुके बच्चों को वापस स्कूल लाने का प्रयास किया है। इसके लिए स्कूल चलो अभियान चलाया जा रहा है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान में जोड़ेंगे लाखों परिवार : डिप्टी सीएम

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान और स्कूल चलो अभियान एक साथ शुरू होने का फायदा पूरे प्रदेश को मिलेगा इससे प्रदेश में भी परिवर्तन होगा। पिछली सरकारों ने बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बना दिया था। आज 90 फीसदी से ज्यादा स्कूल कायाकल्प अभियान में बदल गए हैं। मांटेसरी स्कूल बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सम्मानित लोगों को आगे किए जाने से स्कूलों का सीन बदल गया है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान में पांच करोड़ परिवार से संपर्क करेंगे। इसके तहत सफाई और रोग नियंत्रण आदि के बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा कि आशावर्कर बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी का अभियान पूरे देश में सराहा गया है। अब पूरे देश में इसे चलाया जाएगा। इस अभियान में 10 विभाग लगाए गए हैं। सभी का समन्वय है। जापानी इंसेफलाइटिस का समापन हुआ है और अन्य बीमारियां भी कम हो रही हैं।

मोदी सरकार के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी भाजपा व मोदी सरकार के खिलाफ जमकर धरना प्रदर्शन किया। राजधानी लखनऊ में जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर केन्द्र की भाजपा सरकार के तानाशाही व संविधान विरोधी रवैये के खिलाफ तथा उद्योगपति गौतम अडानी द्वारा जनता की गाढ़ी कमाई के पैसे की लूट के विरोध मे ''जय भारत सत्याग्रह'' पैदल मार्च करते हुए जिलाधिकारी लखनऊ के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन पुराने हाईकोर्ट चौराहे पर बैरीकेड कर अपर पुलिस आयुक्त (मध्य)लखनऊ को

विरोध प्रदर्शन कर दिया गया।

जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा द्वारा यह कहना कि अडानी पर हमला देश पर हमला है यह कथन कहां तक उचित है।

उन्होंने कहा देश में पहली बार सत्ता पक्ष द्वारा लोकसभा और राज्यसभा की कार्यप्रणाली 7 दिनों तक बाधित की गई इसकी जिम्मेदारी किसकी है। उक्त कार्यक्रम में शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव अज्जू- उत्तरी, दिलप्रीत सिंह डीपी दक्षिणी, पूर्व विधायक इन्दल रावत, बृजेश सिंह, रूद्र दमन सिंह, शहाना सिद्दीकी, नईम सिद्दीकी, सम्पूर्णानन्द मिश्रा, डॉ. शहजाद आलम, वीरेन्द्र मदान, नरेन्द्र गौतम, रामपाल यादव, सुशीला शर्मा, प्रवीन खान, साबरा खातून, प्रज्ञा सिंह, डॉ. रिचा शर्मा, मनोज तिवारी, सहित कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डेरे में दिखा अमृतपाल का साथी पपलप्रीत

» पुलिस ने तेज किया छापेमारी का अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। पंजाब पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहे खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है। अब इस मामले में एक नई सीसीटीवी फुटेज सामने आई है, जो होशियारपुर के डेरे की बताई जा रही है। डेरे में लगे सीसीटीवी कैमरों में अमृतपाल का साथी पपलप्रीत कैद हुआ है।

यह फुटेज 29 मार्च सुबह की बताई जा रही है। इस दौरान उसके साथ अमृतपाल नजर नहीं आ रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि अब दोनों अलग-अलग जगहों पर छिपे हुए हैं। हालांकि इसको लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। यह भी पता चला है कि दोनों होशियारपुर के किसी टीवी चैनल को इंटरव्यू देने के लिए जा रहे थे, लेकिन पुलिस को इस बारे में पता चल गया। इसके बाद पपलप्रीत और अमृतपाल अलग-अलग हो गए। पुलिस को पीछे आता देख अमृतपाल के साथी इनोवा को मरनाइंया गांव के गुरुद्वारे ले गए। जहां खुद को फंसा देख सभी कार को वहीं छोड़कर भाग गए।

पुराने साथियों के साथ जुड़ा अमृतपाल

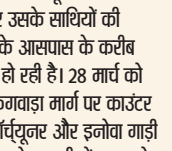

अमृतपाल सिंह के संग उसके पुराने साथी जुड़ गए हैं, एक एप के जरिए यह लोग आपस में संपर्क में है। अमृतपाल सिंह और पपलप्रीत सिंह अलग क्यों हुए, इस बात को जानकर एजेंसियां खुद हैरत में हैं। उनके साथियों से पूछताछ की जा रही है।अमृतपाल सिंह और उसके साथियों की होशियारपुर-फगवाड़ा रोड के आसपास के करीब एक दर्जन गांवों में तलाश हो रही है। 28 मार्च को जब देर रात होशियारपुर-फगवाड़ा मार्ग पर काउंटर इंटेलिजेंस की टीम एक फॉर्च्यूनर और इनोवा गाड़ी का पीछा कर रही थी, तब इनोवा गाड़ी में सवार दो युवकों ने वाहन को मरनाईयां गांव की ओर घुमा लिया था, लेकिन रास्ता बंद होने की वजह से वो चलती गाड़ी छोड़कर फरार हो गए।

फ्लाइड में फिर छेड़खानी, एक आरोपी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। स्वीडन के एक नागरिक को मुंबई में बैंकॉक से इंडिगो की एक फ्लाइट में केबिन क्रू मेंबर से छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इसकी जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। पुलिस ने कहा कि आरोपी की पहचान क्लास एरिक हेराल्ड जोनासम (63) के रूप में हुई है।

स्वीडिश नागरिक को गुरुवार को मुंबई हवाईअड्डे पर उड़ान भरने के बाद एयरलाइन कर्मचारियों द्वारा मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया था। आरोपी को इंडिगो एयरलाइंस की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया और अंधेरी अदालत में पेश किया गया और उसी दिन जमानत दे दी गई।

दुर्गा शक्ति नागपाल होंगी डीएम बांदा

संयुक्ता समद्दार बनायी गयीं एनसीआर की आयुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश साकार ने शनिवार को पांच आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल को बांदा का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही पीसीएस अफसरों के भी तबादले कर दिए गए हैं। आईएएस कृष्ण कुमार को सदस्य (न्यायिक) राजस्व परिषद नियुक्त किया गया है।

इसी तरह आईएएस दिव्य प्रकाश गिरि को स्टाफ ऑफिसर मुख्य सचिव के पद पर तैनाती दी गई है। आईएएस संयुक्ता समद्दार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का आयुक्त नियुक्त किया गया है। आईएएस आनंद कुमार को सदस्य (न्यायिक) राजस्व परिषद बनाया गया है। राकेश सिंह एडीएम वित्त बाराबंकी से एडीएम प्रशासन

रायबरेली। अरुण कुमार सिंह ओएसडी एलडीए से एडीएम वित्त बाराबंकी।

शमशाद हुसैन मुख्य राजस्व अधिकारी सुल्तानपुर से अपर आयुक्त मेरठ। शैलेंद्र मिश्रा एडीएम वित्त भदोही से मुख्य राजस्व अधिकारी सुल्तानपुर। वीरेंद्र मौर्य सिटी मजिस्ट्रेट जालौन से एडीएम वित्त भदोही। रामप्रकाश एसडीएम आगरा से सिटी मजिस्ट्रेट जालौन। अनूप कुमार सिटी मजिस्ट्रेट मुजफ्फरनगर से एडीएम सिटी आगरा। मंगलेश दुबे एसडीएम बलरामपुर से सिटी मजिस्ट्रेट मुजफ्फरनगर। देवेंद्र प्रताप सिंह अपर आयुक्त सहारनपुर से एडीएम वित्त बलिया। जयनाथ मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ)गोंडा से उप निदेशक दिव्यांगजन निदेशालय लखनऊ। महेश प्रकाश एसडीएम अम्बेडकरनगर से सीआरओ गोंडा। नीता यादव सीआरओ बस्ती से कमांडेंट नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ। ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी एसडीएम बहराइच से सीआरओ बस्ती बनाए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।